

श्याम सुकुमारे मुरली अ वारे  
जागो मेरे लाड़ले यशोदा दुलारे॥

भोर भई जागो मेरे जीवन आधार  
ग्वाल बाल सखा तेरे आए हैं द्वार  
प्यारे कान्हा! छादा कान्हा! पल पल पुकारे॥

कमल खिले और भौरों की गुंजार  
शुक हंस बोलें करें कोकिल किलकार  
बाबा तेरे गये अब खिड़क मंझारे॥

तेरो मुख देखें तब वच्छ दूध पीयें  
मैया पुकारे तोहिं नैना द्वार कियें  
आओ प्यारे नील मणी पीट पट धारे॥

तेरे हित मैंने सद मखन निकाला  
जागो मेरी नैन ज्योति मदन गुपाला  
देखि मुख चन्द्र पाऊं सच सुख सारे॥

कलेऊ बनाने आई कीरति किशोरी  
तेरी इन्दु वदन की बनी जो चकोरी  
मोती चूर लड़्डू बड़े प्रेम से संवारे॥

सुनि मैया बोली जागे कुंवर कन्हाई

आलस और नींद नैन छबि सुखदायी  
गरीबि श्री खण्डि देखि बोले जय जय कारे॥